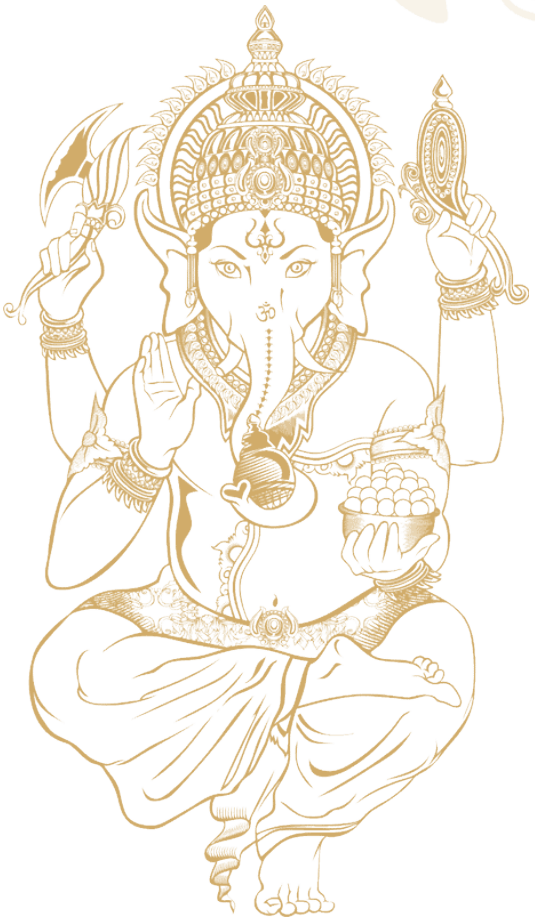

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120594604

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/01/1998	जन्म तिथि	13-14/09/2004
शुक्रवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 08:00:00	जन्म समय	04:32:00 घंटे
घटी 03:40:53	जन्म समय(घटी)	57:40:11 घटी
India	देश	India
Madhepura	स्थान	Saharsa
25:55:00 उत्तर	अक्षांश	25:54:00 उत्तर
86:47:00 पूर्व	रेखांश	86:36:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:17:08	स्थानिक संस्कार	00:16:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:31:38	सूर्योदय	05:28:39
17:12:55	सूर्यास्त	17:49:47
23:49:43	चित्रपक्षीय अयनांश	23:55:13

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 1वर्ष 4मा 15दि	25:57:19	मक	लग्न	सिंह	13:59:38	शुक्र 10वर्ष 3मा 11दि
चन्द्र	01:55:07	मक	सूर्य	सिंह	27:33:23	चन्द्र
02/06/2025	10:42:42	सिंह	चंद्र	सिंह	19:48:43	26/12/2020
03/06/2035	28:50:34	मक	मंगल	सिंह	28:04:55	26/12/2030
चन्द्र 02/04/2026	10:35:02	धनु	बुध	सिंह	10:39:18	चन्द्र 26/10/2021
मंगल 02/11/2026	01:41:35	कुंभ	गुरु	कन्या	03:39:50	मंगल 27/05/2022
राहु 02/05/2028	02:31:05	मक व	शुक्र	कर्क	13:43:17	राहु 26/11/2023
गुरु 01/09/2029	20:33:18	मीन	शनि	कर्क	00:45:21	गुरु 27/03/2025
शनि 03/04/2031	17:25:46	सिंह व	राहु व	मेष	08:49:08	शनि 26/10/2026
बुध 01/09/2032	17:25:46	कुंभ व	केतु व	तुला	08:49:08	बुध 27/03/2028
केतु 02/04/2033	14:08:04	मक	हर्ष व	कुंभ	10:13:21	केतु 26/10/2028
शुक्र 02/12/2034	05:40:41	मक	नेप व	मक	19:06:50	शुक्र 27/06/2030
सूर्य 03/06/2035	13:24:49	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	25:40:40	सूर्य 26/12/2030

लग्न-चलित

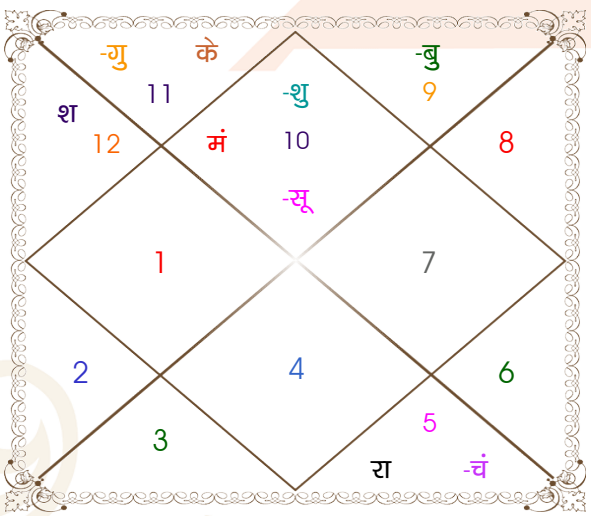

लग्न-चलित

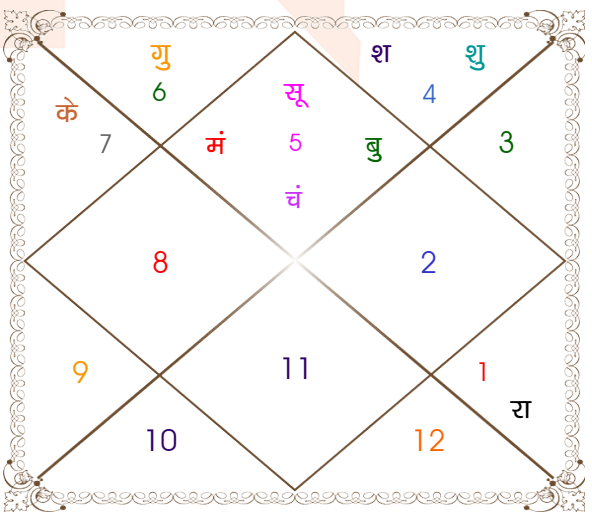

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	वनचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	मूषक	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	30.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

Mr. का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में कर्क राशि तथा लग्न में मकर राशि का मंगल हो तब मंगली दोष समापत समझना चाहिए।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में प्रथम भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।